भ्रूण कब अस्तित्व में आता है?

हाल ही में यूएस के एरिज़ोना प्रांत में एक कानून पारित करके 20 सप्ताह से अधिक के गर्भ का गर्भपात करवाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। ज़ाहिर है, यह तो विधायिका का अधिकार है कि वह कोई भी कानून बनाए मगर यूएस में गर्भपात एक निहायत संवेदनशील मुद्दा है और काफी समय से तीखी बहसों के केंद्र में रहा है।

एरिज़ोना प्रांत के उक्त कानून में जो रोचक बात कही गई है उसका सम्बंध इस बात से है कि भ्रूण की शुरुआत कब से मानेंगे। इस कानून के मुताबिक गर्भावस्था अंतिम माहवारी के पहले दिन शुरू हो जाती है और 20 सप्ताह इसी दिन से गिने जाएंगे।

यदि विज्ञान की दृष्टि से देखें तो गर्भावस्था की शुरुआत माहवारी से नहीं होती। दरअसल, मासिक स्राव शुरू होने का मतलब होता है कि पिछले माह अंडोत्सर्ग के बाद जो अंडा उत्पन्न हुआ था उसका निषेचन नहीं हो पाया है और उसे हटाया जा रहा है। साथ ही उस अंडे के निषेचन की उम्मीद में गर्भाशय में जो तैयारियां हुई थीं, उन्हें भी हटाया जा रहा है। इसका अर्थ यह हुआ कि मासिक स्राव निषेचन न होने का सूचक है, गर्भधारण का नहीं। आम तौर पर अगला अंडोत्सर्ग मासिक स्राव समाप्त होने के करीब 10 दिन बाद होता है। यानी गर्भ धारण मासिक स्राव के पहले दिन के करीब 13-14 दिन बाद होने की संभावना होती है।

इसका मतलब यह हुआ कि एरिज़ोना कानून ने गर्भपात की सीमा को 20 सप्ताह की बजाय 18 सप्ताह कर दिया है। यह एक प्रकार से गर्भपात विरोधियों की जीत मानी जा रही है। वैसे भी भ्रूण के पहले दिन को लेकर गर्भपात के समर्थक और विरोधी समय-समय पर भिड़ते रहते हैं।

यहां यह बताना लाज़मी है कि जब डॉक्टर किसी महिला के लिए प्रसव की तारीख की गणना करते हैं तो वे आखरी मासिक चक्र के पहले दिन से गिनती शुरू करते हैं। इसका कारण यह है कि किसी भी महिला के लिए यह जानना बहुत कठिन है कि किस दिन अंडोत्सर्ग हुआ और किस दिन निषेचन हुआ। इसलिए सहूलियत के लिए आखरी मासिक चक्र के पहले दिन से गिनती की जाती है। मगर यह कहना तो बेमानी है कि महिला मासिक स्राव के पहले दिन गर्भवती थी। ***(स्रोत फीचर्स)***